

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता, सत्र 6, मसीह के साथ एकता के लिए आधार , पुराना नियम, निगमन, मध्यस्थ

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 6 है, मसीह के साथ एकता के लिए नींव, पुराना नियम, समावेश, मध्यस्थ।

हम मसीह के साथ एकता पर व्याख्यानों की अपनी श्रृंखला जारी रखते हैं, मसीह के साथ एकता की पुराने नियम की पृष्ठभूमि की और अधिक जांच करते हैं, परमेश्वर के लोगों की पहचान, उन्हें अपने लोगों में शामिल करते हैं, और मसीह के साथ नए नियम की एकता के अग्रदूतों के रूप में उनकी वाचा की कहानी में उनकी भागीदारी को देखते हैं, या जिस छवि का हम उपयोग कर रहे हैं वह यह है कि वे मसीह के साथ एकता की नींव का हिस्सा हैं, जो केवल नए नियम में पूरी तरह से खिलती है, लेकिन इसकी जड़ें पुराने नियम की मिट्टी में गहराई से धंस जाती हैं।

दूसरा नंबर है समावेश, जो परमेश्वर के वाचाबद्ध लोगों में सदस्यता है। पुराने नियम में परमेश्वर द्वारा अपने लोगों को एक शरीर में जोड़ने के माध्यम से मसीह के साथ एकता का भी पूर्वाभास होता है। जब परमेश्वर पुराने नियम में अपने लोगों के साथ वाचा बाँधता है, तो वह ऐसा सामूहिक रूप से करता है, न कि केवल व्यक्तिगत रूप से।

उत्पत्ति 17 में, जहाँ परमेश्वर खतने की वाचा देता है, वह इसका अर्थ समझाता है। यह मानव जाति के प्रसार के स्थान पर शुद्धिकरण की बात करता है, और प्रभु कहता है, मैं तुम्हारा, अब्राहम का, और तुम्हारे वंश का परमेश्वर ठहरूँगा। यह एक अद्भुत वादा है। व्यक्तिगत उद्धार, सामूहिक उद्धार।

मैं यह नहीं कह रहा हूँ कि खतना करवाने वाले हर इस्राएली को स्वतः ही बचा लिया जाता है, बल्कि केवल वे लोग जिनके हृदय का खतना किया गया था, या नए नियम की शब्दावली का उपयोग करें, जो पुनर्जन्म लेते हैं, जो वास्तव में प्रभु को जानते हैं। अक्सर, हम व्यक्तिवादी शब्दों में सोचते हैं क्योंकि हम अमेरिकी हैं, और हम यही करते हैं। अविश्वसनीय।

हमारा डिफ़ॉल्ट मोड मैं, मुझे, मेरा, इस तरह की चीज़ है, और भगवान के साथ हमारा रिश्ता, और यह अनमोल है। लेकिन मेरा सौदा, इस बारे में वर्षों से सोचते हुए, यह है कि सबसे पहले, बाइबल एक सामूहिक पुस्तक है जो पुराने नियम, इज़राइल में भगवान के लोगों और नए नियम, चर्च में भगवान के लोगों से संबंधित है। बेशक, व्यक्तिगत जिम्मेदारी कभी भी शून्य नहीं होती है, लेकिन यह समूह के संदर्भ में है।

हम व्यक्तिगत रूप से सोचते हैं, मैं व्यक्तिगत रूप से मसीह के साथ जुड़ा हुआ हूँ। यह काफी हद तक सच है। लेकिन परमेश्वर अपने लोगों से समग्र रूप से भी संबंधित है क्योंकि जैसे ही मैं आत्मा द्वारा, विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा मसीह से जुड़ता हूँ, मैं हर दूसरे व्यक्ति से जुड़ जाता हूँ जो उसी अलौकिक तरीके से मसीह से जुड़ा हुआ है।

वाचा संबंधी संरचनाएँ यहाँ वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। जब परमेश्वर अपने लोगों के साथ वाचा बाँधता है, तो वह मुख्य रूप से एक विशिष्ट व्यक्ति के माध्यम से ऐसा करता है जो पूरे कॉर्पोरेट लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। इस प्रकार, जब परमेश्वर आदम और बाद में नूह के साथ वाचा बाँधता है, तो आदम पूरी मानवता का प्रतिनिधित्व करता है।

मैं आदम और हव्वा को व्यक्तियों के रूप में, ठीक है, ऐतिहासिक व्यक्तियों के रूप में पुष्टि कर रहा हूँ, लेकिन वे केवल वही नहीं हैं, वे परमेश्वर के लोगों के प्रतिनिधि हैं। इसलिए, रोमियों 5 में, यह बहुत स्पष्ट है कि आदम के पाप के परिणामस्वरूप मानव जाति की निंदा हुई। मानव जाति की निंदा और पापपूर्णता।

रोमियों 5, हाँ, आदम एक व्यक्ति है। इसलिए, जैसे एक मनुष्य के द्वारा पाप संसार में आया, वह आदम होगा और पाप के द्वारा मृत्यु, और इसलिए मृत्यु सभी मनुष्यों में फैल गई क्योंकि सभी ने पाप किया; ESV बुद्धिमानी से NIV, NASB और सभी अंग्रेजी अनुवादों का अनुसरण करता है। मैंने हर एक को डैश के साथ नहीं चेक किया है क्योंकि पॉल एक विचार शुरू करता है, और वह विचार को समाप्त नहीं करता है। अगर मुझे इसका निष्कर्ष निकालना होता, तो यह कुछ इस तरह होता, श्लोक 18 और 19 के आधार पर, जब वह अपनी अधूरी तुलना को पूरा करने के लिए वापस आता है।

वह वह देता है जिसे हम प्रोटैसिस, अगर-क्लॉज कहते हैं, लेकिन परिणाम क्लॉज, अपोडोसिस नहीं देता है। इसलिए, जैसे एक मनुष्य के द्वारा पाप संसार में आया और पाप के द्वारा मृत्यु, और इस प्रकार मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, क्योंकि सबने पाप किया, वैसे ही एक मनुष्य की आज्ञाकारिता के द्वारा, औचित्य और जीवन सब मनुष्यों में आया। रोमियों के संदर्भ में, इसका अर्थ है वे सभी जो मसीह में विश्वास करते हैं।

आदम एक वाचा मध्यस्थ है। यीशु वाचा मध्यस्थ है, लेकिन पुराने नियम में उनमें से कई हैं, और जैसा कि हमने परमेश्वर के लोगों की पहचान के पुराने नियम की नींव का पता लगाया है, जो कि उसके लोगों के साथ परमेश्वर की उपस्थिति है, अब हम दूसरे पुराने नियम की नींव पर आते हैं, पत्थर, अगर आप चाहें तो, समावेश, परमेश्वर की वाचा लोगों में सदस्यता, और इसमें मध्यस्थों की वाचा संरचना, बहुवचन शामिल है। आदम पूरी मानवता का प्रतिनिधित्व करता है।

नूह स्पष्ट रूप से पूरी मानवता का प्रतिनिधित्व करता है। उसे दूसरे आदम के रूप में प्रस्तुत किया गया है, इसमें कोई संदेह नहीं है। ओह, दूसरा आदम नहीं, वह यीशु है, लेकिन वह है, उत्पत्ति से भाषा दोहराई गई है।

उत्पत्ति 1 और 2 में, बाढ़ के बाद उत्पत्ति 9 में इसे दोहराया गया है। बेशक, नया नियम मसीह को अंतिम वाचा मध्यस्थ के रूप में चित्रित करता है, जिसकी ओर पुराने नियम की वाचा मध्यस्थों ने इशारा किया था। "एक ही परमेश्वर है, और परमेश्वर और मनुष्यों के बीच भी एक ही मध्यस्थ है, अर्थात् मसीह यीशु जो मनुष्य है।" 1 तीमोथियुस 2:5।

दाऊद के घराने से मसीहा के रूप में यीशु की पहचान उसे पुराने नियम की वाचा मध्यस्थों की पंक्ति में एक वाचा मध्यस्थ के रूप में नामित करती है। आदम, नूह, अब्राहम, मूसा और दाऊद, पाँच बड़े नाम। यदि मसीह के साथ एकता का हिस्सा उसके शरीर से जुड़ रहा है, और यह निश्चित रूप से है, जैसा कि पॉल की तस्वीरें दिखाती हैं, जिसकी हम भविष्य के व्याख्यानों में जांच करेंगे।

यदि संघ का एक हिस्सा यीशु के शरीर, चर्च से जुड़ना है, तो पुराने नियम में परमेश्वर का वाचा संबंध इस बात पर प्रकाश डालता है कि परमेश्वर के लोगों में शामिल होने और इस प्रकार स्वयं परमेश्वर से जुड़ने का क्या अर्थ है। मसीह के साथ नए नियम का मिलन अवतार और पिन्तेकुस्त की तरह ही अद्वितीय है। लेकिन यह शून्य से प्रकट नहीं होता है; ईसाई और चर्च और दृष्टिकोण जो नए नियम को पुराने नियम से अलग करते हैं, वे नए नियम को सही ढंग से नहीं समझते हैं।

जैसा कि मेरे एक पुराने नियम के मित्र ने कहा, जो एक बहुत ही विनोदी व्यक्ति था, आप कहानी के दो-तिहाई हिस्से की उपेक्षा क्यों कर सकते हैं? वह एक पुराने नियम का व्यक्ति था, और वह बहुत ही मज़ेदार था, बस बहुत ही मज़ेदार। मैं आपको कहानियाँ सुना सकता हूँ, लेकिन वर्तमान में यह मेरा काम नहीं है। वाचा मध्यस्थों, आइए इस विचार को आगे बढ़ाते हैं।

इब्रानियों 9:15, यीशु नए वाचा का मध्यस्थ है। यह सबसे अद्भुत श्लोक है। सालों तक, मैंने सिखाया कि उसका बलिदान इतना महान और प्रभावकारी था कि यह पुराने नियम के संतों सहित सभी उम्र के परमेश्वर के लोगों के पापों के लिए लाभदायक था।

और यहाँ मुझे मसीह के कार्य के लिए एक पुस्तक पर काम करते हुए एक श्लोक मिला जिसमें वास्तव में यह कहा गया था। इसलिए, पिछले श्लोक में, मसीह का लहू, जिसने सनातन आत्मा के द्वारा अपने आप को परमेश्वर के सामने बिना किसी दोष के अर्पित किया, हमारे विवेक को मरे हुए कामों से कितना अधिक शुद्ध करेगा ताकि हम जीवित परमेश्वर की सेवा करें? यीशु का बलिदान, पिता द्वारा नियुक्त ईश्वर-मनुष्य का कार्य, एक अर्थ में, पवित्र आत्मा का कार्य भी है।

यीशु ने खुद को शाश्वत पवित्र आत्मा के माध्यम से अर्पित किया, जिससे उनका बलिदान एक पूर्ण बलिदान बन गया, उन बलिदानों में से एक, जिनकी ओर पुराने नियम के बलिदानों ने संकेत किया था, और जो उन्हें एक भयानक विराम पर ले जाता है। अब कोई बलिदान नहीं। परमेश्वर का सम्मान करें। इस्राएल में, परमेश्वर के चुने हुए लोगों में, उस स्थान पर जहाँ उसने यरूशलेम को ठहराया था, जिस तरह से उसने पुजारी और वेदी और पूरे मंदिर को ठहराया था, अब कोई बलिदान नहीं।

वे अब नहीं रहे, वे अप्रचलित हो चुके हैं। वे अब वैध नहीं हैं। सच तो यह है कि अगर उनमें कोई वैधता थी, और वे थे, ओह, मोक्ष कभी औपचारिक नहीं होता।

एली के पुत्रों को स्पष्ट रूप से बचाया नहीं गया था, और उन्होंने केवल औपचारिकताएँ पूरी कीं। लेकिन विश्वास करने वाले इस्राएलियों ने, जिन्होंने अपने पापों को उस जानवर के सिर पर स्वीकार किया, जो उनका प्रतिस्थापन बन गया और उनकी ओर से मारा गया, और विश्वास किया कि परमेश्वर उनके पापों को क्षमा कर देगा, उन्हें क्षमा कर दिया गया। क्या वे यीशु की मृत्यु, पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण के बारे में सब कुछ समझते हैं? बिलकुल नहीं।

मुझे लगता है कि शायद उन्होंने उद्धारक को आते हुए धुंधले रूप से देखा होगा। निश्चित रूप से, उन्होंने परमेश्वर पर भरोसा किया, एक जीवित परमेश्वर, जो वाचा द्वारा उनका परमेश्वर है, अपने निर्धारित साधनों द्वारा उनके पापों से निपटने के लिए। और परमेश्वर की ओर से, मैं जानता हूँ कि परमेश्वर के मन में क्या था।

इसलिए, वह एक नई वाचा का मध्यस्थ है ताकि जो लोग बुलाए गए हैं वे वादा किए गए अनन्त उत्तराधिकार को प्राप्त कर सकें क्योंकि मृत्यु हो चुकी है जो उन्हें पहली वाचा के तहत किए गए अपराधों से मुक्ति दिलाती है। मसीह का कार्य न केवल पुराने नियम के बलिदानों को रोकता है, बल्कि यह उन्हें परमेश्वर की योजना में प्रभावी भी बनाता है। क्योंकि पुराने नियम के उपासकों ने जो भी समझा, परमेश्वर ने समझा कि क्षमा का उद्देश्यपूर्ण आधार या आधार बैलों और बकरियों का खून नहीं था।

ओह, यह एक सुंदर तस्वीर थी। सुंदर? केल्विन इसे सुसमाचार की एक बदबूदार तस्वीर कहते हैं। सुसमाचार की एक सच्ची तस्वीर।

लेकिन अब हमें और तस्वीरों की ज़रूरत नहीं है। वास्तविकता सामने आ गई है। परमेश्वर का मेम्रा जो दुनिया के पापों को दूर करता है, वह परम वाचा मध्यस्थ है, जो अपने बलिदान से सभी युगों के परमेश्वर के सभी लोगों को छुड़ाता है।

मैंने यह बात ईश्वरीय संप्रभुता के संदर्भ में कही। वह सभी चुने हुए लोगों को मुक्ति दिलाता है। मुझे इसे मानवीय जिम्मेदारी के संदर्भ में भी कहना चाहिए।

वह उन सभी को छुड़ाता है जो उसके पुत्र पर विश्वास करते हैं। यीशु एक नई वाचा का मध्यस्थ है। अब्राहम, नूह, मूसा और दाऊद ऐसे नहीं हैं।

आदम और नूह नई वाचा के मध्यस्थ नहीं हैं। हे भगवान। केवल यीशु ही मध्यस्थ हैं।

लेकिन इस अद्वितीय वाचा मध्यस्थ से पहले पुराने नियम की वाचा मध्यस्थों ने काम किया है, जिसमें आदम, नूह, अब्राहम, मूसा और दाऊद शामिल हैं। हम वाचा मध्यस्थता के परमेश्वर के सिद्धांतों को समझते हैं, और विशेष रूप से वाचा मध्यस्थों की उनकी वाचा संरचना को, ताकि इस तथ्य को बेहतर ढंग से समझा जा सके कि परमेश्वर ने न केवल इस्राएलियों के साथ व्यक्तिगत रूप से व्यवहार किया, ओह उसने किया, बल्कि समावेश के गुण के द्वारा, उसने उन्हें सामुदायिक रूप से अपना लोग बनाया। और यह मसीह के साथ एकता के लिए पुराने नियम की पृष्ठभूमि का हिस्सा है।

हम यीशु में विश्वास करते हैं, हम उससे जुड़े हुए हैं, और हम उसके लोगों से जुड़े हुए हैं। आदम सृष्टि की वाचा में मानवता का प्रतिनिधित्व करता है, या जैसा कि कुछ लोग जोर देते हैं, कार्यों की वाचा। मैं इसका विरोध नहीं करता, लेकिन मैं उन लोगों के लिए अधिक व्यापक रूप से बोल रहा हूँ जिन्हें यह शब्दावली पसंद नहीं है।

आदम और हव्वा परमेश्वर की अच्छी सृष्टि के प्रबंधक थे। वे परमेश्वर के लिए परिचारक और अधीक्षक थे। वे छोटे स्वामी थे, छोटे, दिव्य प्रभु के अधीन, और उन्होंने शाब्दिक और आध्यात्मिक रूप से, लाक्षणिक रूप से, परमेश्वर की अच्छी सृष्टि की देखभाल और संवर्धन किया।

हे प्रभु हमारे प्रभु, तेरा नाम पूरी धरती पर कितना महान है। और उस महान प्रभु ने आदम और हव्वा को महिमा और सम्मान का ताज पहनाया और सब कुछ उनके पैरों के नीचे कर दिया। वे उसके प्रबंधक थे; उन्होंने परमेश्वर के लिए शासन किया, और फिर भी पतन ने उनके प्रबंधकीय कार्य को कलंकित कर दिया, परमेश्वर के साथ उनके रिश्ते को बर्बाद कर दिया, और अनुग्रह की बहुत आवश्यकता को दर्शाया।

वास्तव में, सृष्टि स्वयं गिर गई, जैसा कि हमने रोमियों अध्याय 8 से सीखा, और इसे भी छुटकारे की आवश्यकता है। कुलुस्सियों 1 सिखाता है कि मसीह का कार्य इतना शानदार है कि यह न केवल हमारे शत्रुओं को पराजित करता है, व्यक्तिगत मसीहियों और पूरे विश्वासी चर्च को बचाता है, और परमेश्वर को महिमा देता है, बल्कि मसीह का कार्य वास्तव में स्वर्ग और पृथ्वी को परमेश्वर के साथ मिलाता है। रोमियों 8 उसी वास्तविकता के बारे में बात करने के लिए छुटकारे की तस्वीर का उपयोग करता है।

मसीह, क्रूस और खाली कब्र परमेश्वर की गिरी हुई सृष्टि को छुड़ाते हैं। पौलुस दो स्थानों पर, रोमियों 5:12 से 19:1 कुरिन्थियों 15 में, वास्तव में दो अलग-अलग स्थानों पर, पौलुस ने आदम, जो पहली वाचा का मध्यस्थ था, को मसीह, जो नई वाचा का मध्यस्थ था, के साथ जोड़ दिया। पौलुस ने दूसरे मनुष्य, अंतिम आदम को, 1 कुरिन्थियों 15, आयत 57 से 59 में, कहीं न कहीं बुलाया है।

मसीह दूसरा आदम है क्योंकि वह केवल दूसरा वाचा मुखिया है जिसे सही बनाया गया है। ओह, हम हव्वा को नीचा नहीं दिखाते, जो सभी जीवितों की माँ है, लेकिन वह वाचा मुखिया नहीं है। हव्वा का पाप, हालाँकि वह पूरे प्रयास में सहभागी थी, हमारे आध्यात्मिक बैंक खातों में नहीं जोड़ा गया है, लेकिन आदम का जोड़ा गया है।

मसीह दूसरे आदम हैं। वे अंतिम आदम हैं। उनके बाद कोई वाचा मध्यस्थ नहीं है।

उसके बाद किसी भी वाचा मध्यस्थ की आवश्यकता नहीं है, और वास्तव में, फिर से, उसकी उद्धारक उपलब्धि इतनी बड़ी है, कि ईसाई धर्मशास्त्र ने हमेशा कहा है, आदम और हव्वा के लिए, सभी उम्र के सभी विश्वासियों के साथ, यह कल्पना करना कठिन है कि प्रभु पहले जोड़े को बचाने में विफल रहे। हम उत्पत्ति 3:15 में सुसमाचार के पहले वादे का हवाला दे सकते हैं, और कुछ लोग चमड़े के कोट के साथ उन्हें परमेश्वर द्वारा पहनाए गए बलिदान की धारणा का हवाला

देते हैं। हमारा मानना है कि वे, मसीह द्वारा बचाए गए थे, जैसे कि हर कोई जो कभी बचाया गया था।

नूह दूसरा आदम है, दूसरा आदम नहीं। आदम की तरह नूह भी बाढ़ में बचे सात अन्य लोगों का पिता है। हम इसमें श्रीमती नूह को भी शामिल कर रहे हैं, बेशक, इससे नौ लोग बनेंगे।

परमेश्वर ने नूह और उसके बेटों को अदन की आज्ञा दोहराई, उत्पत्ति 9:1 और 7. और परमेश्वर ने नूह और उसके बेटों को आशीर्वाद दिया, उत्पत्ति 9.1, और उनसे कहा, फलो-फूलो और पृथ्वी में भर जाओ। 9:7, और तुम फलो-फूलो और पृथ्वी पर बहुत बढ़ो और उसमें बढ़ो। यही भाषा आदम और हव्वा को दी गई थी।

नूह को दूसरे आदम के रूप में चित्रित किया गया है, यदि आप चाहें तो, उन लोगों के पिता जो महान बाढ़ से बच गए। इंद्रधनुष नूह की वाचा का संकेत है, जिसके द्वारा परमेश्वर ने वादा किया है कि वह पृथ्वी को फिर से आग या पानी से नष्ट नहीं करेगा। एक पुनर्स्थापित दुनिया के लिए वाचा मध्यस्थ के रूप में नूह की भूमिका वाचा मध्यस्थ के रूप में मसीह की भूमिका का पूर्वाभास कराती है जिसके माध्यम से और जिसके लिए ब्रह्मांड का पुनर्निर्माण किया जाएगा।

मसीह न केवल दूसरा आदम है, बल्कि इस तरह से, वह दूसरा नूह है। मैं इसे चर्च की मान्यता में एक लेख नहीं बनाऊंगा, लेकिन यह एक तरह से सच है। वह वाचा का मध्यस्थ है जिसके माध्यम से परमेश्वर दुनिया को स्थायी रूप से पुनर्स्थापित करता है।

यह केवल इसलिए है क्योंकि परमेश्वर मनुष्य बन गया, पाप रहित जीवन जिया, पापियों के स्थान पर मरा, तीसरे दिन फिर से जी उठा, पिता के पास वापस लौटा, और फिर से आ रहा है कि नया स्वर्ग और नई पृथ्वी होगी। यीशु के प्रायश्चित और पुनरुत्थान ने व्यक्तियों को बचाया, पूरे चर्च को बचाया, और यदि आप चाहें तो सृष्टि को भी बचाया। उसके नाम की स्तुति करो।

अब्राहम, जबकि आदम और नूह पूरी मानवता का प्रतिनिधित्व करते हैं, अब्राहम परमेश्वर के लोगों का प्रतिनिधित्व करता है। उत्पत्ति 12:1 से 3. पृथ्वी पर सभी लोगों में से, परमेश्वर मूर्तिपूजकों के पुत्र को चुनता है। यहोशू की पुस्तक का अंत हमें यह बताता है।

हमारे पिता, तेराह, नदी के दूसरी ओर मेसोपोटामिया में मूर्तियों की पूजा करते थे। अब्राहम एक ऐसे परिवार से थे जो चन्द्रमा भगवान की पूजा करते थे। परमेश्वर क्या दिखा रहा है? कि उद्धार पूरी तरह से उसकी कृपा और उसकी महिमा के कारण है।

अब्राहम ने कोई योगदान नहीं दिया। अब्राहम ने अपने उद्धार में जो योगदान दिया, वही हम पाप में योगदान देते हैं। अब प्रभु ने अब्राहम से कहा, उत्पत्ति 12:1, अपने देश और अपने कुटुम्ब और अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जा जो मैं तुझे दिखाऊंगा, और मैं तुझसे एक बड़ी जाति बनाऊंगा, और तुझे आशीष दूंगा और तेरा नाम महान करूंगा ताकि तू आशीष का पात्र बने।

जो तुझे आशीर्वाद देंगे, मैं उनको आशीर्वाद दूंगा, और जो तुझे अपमानित करेगा, मैं उसे शाप दूंगा, और तेरे सारे कुलों को। बाद में, मुझे लगता है कि यह 22 में है, जिसमें कहा गया है कि पृथ्वी के राष्ट्रों को आशीर्वाद दिया जाएगा। इब्रानियों 12 हमें बताता है कि इस भूमि का वादा किया गया था; क्या यह फिलिस्तीन था? क्या यह वादा किया गया देश था? बेशक।

इब्रानियों 12 में लिखा है, अब्राहम ने अंततः आगे की ओर देखा, पता नहीं उसने इसे कितनी अच्छी तरह से समझा, शायद दूर से ही नींव रहित, नींव वाले शहर की ओर, जिसका निर्माता और निर्माता परमेश्वर है। यानी, अब्राहम ने, दूर के दृष्टिकोण से, नई पृथ्वी की झलक देखी, अगर आप चाहें तो। परमेश्वर ने विशेष रूप से अब्राहम के परिवार को चुना।

परिवार, भगवान, यह हास्यास्पद है। मेरी प्रतीत होने वाली असम्मानजनकता को क्षमा करें। सारा बहुत बूढ़ी है, और वह भगवान पर हंसती है।

वह बच्चा पैदा नहीं कर सकती, और अब्राहम भी वास्तव में पुरुषत्व और प्रजनन क्षमता का केंद्र नहीं है। यह काम नहीं करेगा। भगवान कहते हैं कि यह काम करेगा, और फिर अब्राहम और सारा योजना बनाते हैं।

ओह, यह भतीजा हो, और यह चचेरा भाई हो, यह हागर के माध्यम से हो। प्राचीन निकट पूर्व में वारिस को बढ़ाने का यही तरीका था। नहीं, नहीं, वारिस सारा के गर्भ में आपके शरीर से आने वाला है। हे प्रभु, अब्राहम को श्रेय दो।

वह डगमगाया लेकिन अंततः डगमगाया नहीं, और रोमियों 4 कहता है कि उसे विश्वास था कि परमेश्वर मरे हुएों में से जीवन ला सकता है, और उसने ऐसा किया। एक मृत गर्भ और एक मृत व्यक्ति से, शारीरिक रूप से कहें तो, संतान होने के मामले में, परमेश्वर ने एक शक्तिशाली राष्ट्र को जन्म दिया, और अंततः, उसने दुनिया को बचाने के लिए दाऊद के पुत्र, अब्राहम के पुत्र यीशु मसीह को लाया। यही वे सभी लोग हैं जो उस पर विश्वास करेंगे।

परमेश्वर ने अब्राहम और उसके परिवार को पूरी धरती को आशीर्वाद देने के साधन के रूप में चुना। परमेश्वर अब्राहम के साथ एक वाचा बनाता है, और अब्राहम इस प्रकार एक वाचा मध्यस्थ है, एक बहुत ही महत्वपूर्ण, क्योंकि नया स्लैश, क्षमा करें, अब्राहमिक वाचा शास्त्र में नई वाचा से इस तरह जुड़ी हुई है, हम इसे अब्राहम स्लैश नई वाचा कह सकते हैं, जिसके मोड़ों और डेविडिक उपसमूह हैं, लेकिन बड़ी व्यापक वाचा, जैसा कि गलातियों 3 हमें दिखाता है, अब्राहम के साथ की गई वाचा है, जो मसीह में पूरी हुई है। 30 साल बाद जो कानून आगे आया, वह उस वाचा को रद्द नहीं करता है, जो विश्वास के माध्यम से अनुग्रह से है, जो आने वाले बीज में है, जो मसीह है।

नहीं! कानून अब्राहमिक वाचा का एक उपसमूह है। यहूदी-यहूदियों की गलती पुराने नियम को गलत तरीके से पढ़ना था। उन्होंने मूसा की वाचा को मुख्य मुद्दा बना दिया।

नहीं! यह अब्राहमिक वाचा के अधीन है। कानून उसके अधीन है, फिर कानून क्यों? पौलुस पहली सदी के लोगों से परिचित दो छवियों का उपयोग करता है। खैर, उनमें से एक यहूदी पहली सदी के लोगों से परिचित है।

कानून हमें बंद करने के लिए एक जेलर है और हमें मसीह में विश्वास के माध्यम से ईश्वर की कृपा की आवश्यकता को दिखाता है। और कानून एक शिक्षक है। हमारे जीवन में कोई आदर्श सादृश्य नहीं है, लेकिन हमारे आज के जीवन में है।

शिक्षक वे पुरुष थे जो बच्चों के साथ समय बिताते थे, जो उन्हें स्कूल ले जाते थे और वापस लाते थे, मुझे कहना चाहिए कि बेटे, वे स्कूल जाते और वापस लाते थे, वे उनके पाठ सुनते थे, वे अनुशासन देते थे, और पॉल कहते हैं कि कानून ऐसा ही है। यह मसीह के आने तक शिक्षक की तरह है, और जेलर और शिक्षक की अब कोई ज़रूरत नहीं है। क्या वह यह कह रहा है कि ईसाई जीवन में कानून का कोई उपयोग नहीं है? नहीं, वह ऐसा नहीं कह रहा है।

वह इस बारे में बात नहीं कर रहा है। वह कानून के बारे में एक संस्था के रूप में, एक व्यवस्था के रूप में, परमेश्वर के अपने लोगों के साथ व्यवहार में एक युग के रूप में बात कर रहा है। वादा, अब्राहम के साथ वाचा, सबसे बड़ी बात है।

मोज़ेक इसके नीचे है। और इसलिए, मैं महिलाओं के बाइबल अध्ययन में शामिल वास्तव में अद्भुत और ईमानदार महिलाओं को जानता हूँ जिन्होंने इब्रानियों को पढ़ा और गलत तरीके से सोचा कि भगवान अब्राहमिक वाचा को रद्द कर रहे थे। मैं इसे समझता हूँ, और मैं इसे समझ सकता हूँ।

हालाँकि, यह गलत है। पहले से ही अध्याय 2 में अब्राहमिक अध्याय में इस बारे में बात की गई है। अध्याय 6 में, अंत के करीब, यह वास्तव में स्पष्ट है। नहीं, नया वाचा अब्राहमिक की पूर्ति है और वाचा के रूप में मूसा की वाचा को रद्द करना है, जो परमेश्वर से संबंध बनाने का एक तरीका है।

यह अस्थायी रूप से पापों को दिखाने और बचपन में परमेश्वर के लोगों की सेवा करने के लिए दिया गया था। अब जब हम वयस्क हो गए हैं, तो हम अब्राहमिक नई वाचा में हैं। बेशक, हम दस आज्ञाओं का पालन करते हैं, जो परमेश्वर के चरित्र का एक शाश्वत रहस्योद्घाटन है।

परमेश्वर ने अब्राम, अब्राहम को एक महान राष्ट्र बनाने का वादा किया, और उसे आशीर्वाद दिया ताकि वह अंततः अपने वंशजों में से एक, यीशु के माध्यम से दुनिया को आशीर्वाद दे सके। तो, नया नियम इन्हीं शब्दों से शुरू होता है। नए नियम के पहले शब्द, प्रायश्चित्त? नहीं।

पुनरुत्थान? नहीं। प्रभु ऐसा कहते हैं? नहीं। यीशु की वंशावली की पुस्तक? ओह नहीं, कोई कहता है।

मेरा दस साल का पोता बाइबल पढ़ रहा है। पहला इतिहास उसे पसंद नहीं था। इतनी सारी वंशावली, पापा, क्या हो रहा है? अच्छा, अंदाज़ा लगाओ कि नया नियम कैसे शुरू होता है? यीशु मसीह की वंशावली की किताब।

यहाँ नए नियम के पहले शब्द हैं। दाऊद का पुत्र, मसीहाई राजा, और यही ईश्वर के पुत्र का अर्थ है। ओह, वह कोई साधारण ईश्वर का पुत्र नहीं है; वह ईश्वर का दिव्य पुत्र है, लेकिन वह राजा है, परम राजा, अब्राहम का पुत्र।

यीशु कितने सुंदर हैं, नए करार के मध्यस्थ, जो अब्राहम के साथ परमेश्वर द्वारा की गई वाचा को पूरा करता है और उसका स्थान लेता है। परमेश्वर अब्राहम को उसके विश्वास के लिए धर्मी मानता है। उत्पत्ति 15, 6. अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और उस पर धार्मिकता के लिए भरोसा किया गया।

यह आयत रोमियों, गलातियों और इब्रानियों में उद्धृत की गई है, और मैंने एक बार रिचर्ड लॉन्गनेकर द्वारा लिखा गया एक शानदार लेख पढ़ा था, जिसमें दिखाया गया था कि अब्राहम ईश्वर में विश्वास करता था। शायद इब्रानियों में इस बात पर ज़ोर दिया गया है, और यह उसके लिए गिना गया था। वैसे भी, वे तीनों पुस्तकें उस महान उद्धारण के अलग-अलग पहलुओं पर ज़ोर देती हैं।

मैं इसे पूरी तरह से नहीं कर सकता, लेकिन वे सभी इसे उद्धृत करते हैं। यह नए नियम के लिए प्रोग्रामेटिक है कि उद्धार विश्वास के माध्यम से भगवान की कृपा से होता है। उसे धार्मिकता के रूप में गिनना मुझे रोमियों जैसा लगता है।

मैं विवरण भूल गया, क्षमा करें। परमेश्वर अब्राहम को उसके विश्वास के लिए धर्मी मानता है, उत्पत्ति 15, 6, और उसके और उसकी संतान के लिए हमेशा परमेश्वर बने रहने का वादा करता है। इसलिए, उसी गलातियों 3 में जो कहता है कि यीशु अब्राहम का वंश है, गलातियों 3 के अंत में, यह कहता है कि यीशु में विश्वास करने वाले सामूहिक रूप से अब्राहम के वंश हैं।

वाचा मध्यस्थ के माध्यम से, हम विश्वास के द्वारा वाचा के सदस्य और अब्राहम के पुत्र या पुत्रियाँ बन जाते हैं। जैसे परमेश्वर ने आदम और नूह से भूमि के वादे किए थे, वैसे ही परमेश्वर ने अब्राहम और उसकी संतान को कनान की सारी भूमि दी, मैं उद्धृत कर रहा हूँ, हमेशा के लिए उनके पास रहने के लिए। उत्पत्ति 17: 8. मुझे लगता है कि हम भूमि के वादों को कमतर आंकते हैं, हम इस पर ज़ोर नहीं देते, बेहतर शब्द है।

हे भगवान, आदम और हव्वा पृथ्वी के प्रबंधक थे। नूह के साथ भी ऐसा ही था। और अब्राहम से किए गए वादों में से एक जिसे हमने अनदेखा कर दिया, कई ईसाई अनदेखा कर देते हैं, वह है कनान की भूमि, जो नए स्वर्ग और नई पृथ्वी का एक प्रकार है।

उत्पत्ति 15, 17:8, क्षमा करें। अंततः, अब्राहम नई पृथ्वी की प्रतीक्षा करता है। इब्रानियों 11:10 और 11:16। बहुत से विश्वासी इसे नहीं जानते, इसलिए मैं वहीं जा रहा हूँ।

हमें बाइबल को गहनता से, छोटे-छोटे हिस्सों में, बार-बार, अध्ययन, चिंतन, विषयों का पता लगाने आदि के साथ पढ़ना चाहिए। शायद कुछ तरीकों का उपयोग करके जो आपने प्रेरक

बाइबल अध्ययन में सीखा है, लेकिन यह बाइबल को बड़े पैमाने पर और शायद हर साल इसे पढ़ने का विकल्प नहीं है।

भागों के बारे में हमारा ज्ञान उतना ही अच्छा है जितना कि संपूर्ण के बारे में हमारा ज्ञान, और कई वर्षों तक शिक्षण और इसी तरह के अन्य कार्यों के बाद, पिछले कुछ वर्षों में इसने मुझे नई शक्ति प्रदान की है। इब्रानियों 11:10. अब्राहम के लिए, इब्रानियों के 11:9, विश्वास से अब्राहम वादा किए गए देश में रहने के लिए गया, जैसे कि एक विदेशी भूमि में। वह वहाँ से नहीं आया था।

वह कसदियों के ऊर से था, इसहाक और याकूब के साथ तंबुओं में रहता था, जो उसके साथ उन्हीं वादों के वारिस थे। क्योंकि वह, अब्राहम, उस शहर की प्रतीक्षा कर रहा था जिसकी नींव है, जिसका डिज़ाइनर और निर्माता परमेश्वर है। अब्राहम ने इसे धुंधले और दूर से देखा, लेकिन अंततः, कनान ने परमेश्वर की ओर से नई पृथ्वी की बात की।

16. वैसे भी, वे, पुराने नियम के संत जो परमेश्वर के साथ चले, एक बेहतर देश की इच्छा रखते हैं, जो कि एक स्वर्गीय देश है।

इसलिए, परमेश्वर को उनका परमेश्वर कहलाने में शर्म नहीं आती, क्योंकि उसने उनके लिए एक शहर तैयार किया है। वास्तव में, यह एक स्वर्गीय, सांसारिक शहर है। यह नई पृथ्वी है, नया यरूशलेम जो प्रकाशितवाक्य 21 के अनुसार स्वर्ग से पृथ्वी पर उतरता है।

पॉल कहते हैं कि अब्राहम के साथ परमेश्वर की वाचा विश्वास में प्राप्त अनुग्रह पर आधारित थी और उसके वंश, जो मसीह है, के साथ व्यवहार करती थी, गलातियों 3:16। अब्राहम की वाचा नई वाचा का आधार है और नए नियम के विश्वासी, उद्धारण, अब्राहम की संतान, वादे के अनुसार वारिस हैं। इसका अर्थ है, उद्धारण के करीब, अनन्त जीवन, गलातियों 3:29। मसीह, नई वाचा का मध्यस्थ, पुराने नियम की वाचा के महान मध्यस्थ, अब्राहम से कहीं अधिक महान है। हमने इसे इब्रानियों 9:15 में देखा। हम इसे इब्रानियों 12:24 में देखते हैं। हम सीनै पर्वत पर नहीं जाते जहाँ हम काँपते हैं।

हम यीशु के पास जाते हैं, जो एक नई वाचा का मध्यस्थ है, और छिड़के गए लहू के पास, उसका लहू, जो हाबिल के लहू से बेहतर वचन बोलता है, इब्रानियों 12:24। जैसे परमेश्वर मनुष्यों से बड़ा है, यूहन्ना 8:58। अब्राहम के होने से पहले, मैं हूँ, यीशु ने कहा। मूसा, इन व्याख्यानों को सुनने से पहले, अगर मैं आपसे पूछूँ कि पुराने नियम का मध्यस्थ कौन था, तो आप शायद मूसा कहेंगे, और आप गलत नहीं होंगे। मूसा, प्रभु का सेवक, जिससे परमेश्वर ने आमने-सामने बात की, पुरानी वाचा का मध्यस्थ है, जो उसका नाम धारण करता है, जिसे परमेश्वर ने सिनाई पर्वत पर छुड़ाए गए इस्राएल के साथ बनाया था।

जैसा कि परमेश्वर ने अब्राहम से वादा किया था कि वह एक महान राष्ट्र होगा, इसलिए मूसा के साथ परमेश्वर की वाचा इस्राएल को परमेश्वर के चुने हुए लोगों के रूप में स्थापित करती है। अब, सुनिए कि मिस्र से पलायन के बाद अच्छे प्रभु ने मूसा से क्या कहा, निर्गमन 19। प्रभु ने पहाड़ से मूसा को पुकारा, निर्गमन 19:3, और कहा, तू याकूब के घराने से और इस्राएल के लोगों से यह

कहना, कि तुम ने स्वयं देखा है कि मैंने मिस्रियों से क्या किया और कैसे मैं तुम्हें उकाब पक्षी के पंखों पर उठाकर अपने पास ले आया।

अब, यदि तुम सचमुच मेरी बात मानोगे और मेरी वाचा का पालन करोगे, तो तुम सब लोगों के बीच मेरी निज सम्पत्ति ठहरोगे, क्योंकि सारी पृथ्वी मेरी है। सारी पृथ्वी में से, परमेश्वर ने इस्राएल को अपनी निज सम्पत्ति के रूप में चुना है। हम कभी-कभी कथा पढ़कर सोच सकते हैं कि उसे बूबी पुरस्कार मिला है, लेकिन उसने अपने नाम की महिमा करने और अपनी कृपा प्रदर्शित करने के लिए इन अंततः जिद्दी और हठी लोगों को चुना।

फिर, मैं यह कहूंगा, अंततः, दाऊद के पुत्र, अब्राहम के पुत्र को, एक महान मूसा और एक महान दाऊद, और दूसरे आदम, प्रभु यीशु मसीह के रूप में सामने लाना। तुम मेरे लिए याजकों का एक राज्य होगे। उन्हें अन्य राष्ट्रों के लिए एक उदाहरण के रूप में परमेश्वर की आराधना करनी थी, एक ऐसे लोगों के रूप में जो अपने परमेश्वर को जानते थे और उससे प्रेम करते थे और उसकी आज्ञा मानते थे, और एक पवित्र राष्ट्र थे।

नए नियम के 1 पतरस 2 में भी यही शब्द उद्धृत किए गए हैं। परमेश्वर मूसा के साथ वाचा बाँधता है, जो वाचा के मध्यस्थ के रूप में इस्राएल राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करता है। परमेश्वर इस्राएल को अपनी बहुमूल्य सम्पत्ति कहता है, पद 5, जो याजकों का राज्य और पवित्र राष्ट्र होगा, पद 6। परमेश्वर के लोगों को पुनर्गठित मानवता होना चाहिए, उस उद्देश्य को पूरा करना चाहिए जिसके लिए सभी मनुष्यों को बनाया गया था, प्रेम करना, अर्थात्, यहाँ उद्देश्य है, परमेश्वर से प्रेम करना, उसकी आराधना करना और उसकी सेवा करना।

वे आदम और नूह की नई संतान हैं, अगर आप कहें तो। यह एक मुक्ति प्राप्त मानवता है। इस्राएल खुद को प्रतिबद्ध करता है।

प्रभु ने जो कुछ कहा है, हम उसे करेंगे, निर्गमन 24 :7। बेशक, इस्राएल इस उच्च बुलाहट को पूरा करने में विफल रहेगा। बार-बार, उन्हें अपने मध्यस्थ की आवश्यकता होगी जो उनके लिए हस्तक्षेप करे, वह मूसा होगा, जब तक कि एक महान मध्यस्थ, यीशु, नहीं आता और व्यवस्था की सभी आज्ञाओं को पूरा नहीं करता। मत्ती 5:17 की तुलना करें। पौलुस, एक अर्थ में, एक वाचा मध्यस्थ है।

पवित्रशास्त्र में उसे कभी ऐसा नहीं कहा गया, लेकिन जब रोमियों 10:10 में उसने खुद को पेश किया तो वह हमें मूसा की याद दिलाता है। वह कहता है, मूल रूप से, वह अपने लोगों को बचाने के लिए नरक में जाएगा। ओह, मेरा वचन।

यह 9 है, क्षमा करें, 9:3। मुझे बहुत दुःख है, रोमियों 9:3, और मेरे दिल में निरंतर पीड़ा है। मैंने सोचा कि परमेश्वर की शांति ने हमें सबसे ऊपर की समझ दी है, और यह करती है, लेकिन हम उसी समय संघर्षों से मुक्त नहीं हैं। इसलिए, पॉल वापस आकर आराम करेगा, लेकिन इस बीच, मैं चाह सकता था कि मैं खुद शापित हो जाऊँ और अपने भाइयों, अपने रिश्तेदारों के लिए, शरीर के अनुसार मसीह से अलग हो जाऊँ।

वे इस्राएली हैं और यह बात आगे बढ़ती जाती है, रोमियों 9:3, और 4. बार-बार, इस्राएलियों को अपने मध्यस्थ, मूसा की आवश्यकता होगी, जो उनके लिए हस्तक्षेप करे। वह परमेश्वर और लोगों के बीच आ जाता है।

प्रिय प्रभु, मुझे नष्ट कर दो, वह कहता है, क्योंकि भगवान लोगों को नष्ट करना चाहता है। जैसा कि मैंने पहले कहा, अब कोई इस्राएली नहीं रहेगा। मूसा के लोगों का एक समूह होगा, एक नया लोग।

क्या मूसा को यह बात लुभाने वाली लगी? जाहिर है नहीं। नहीं, भगवान के नाम की खातिर, कृपया अपने लोगों को नष्ट मत करो, प्रभु। हालाँकि, आखिरकार वह उनसे नाराज़ हो गया और उसने चट्टान पर वार किया।

मेरे पास चर्च के इतिहास के सबसे मज़ेदार प्रोफेसर थे, थॉमस टेलर, जो प्रभु में एक मज़ेदार और अद्भुत भाई थे, जिन्होंने मुझे अपने तरीके से और साथ ही अपनी शिक्षा से बहुत कुछ सिखाया, जो काफ़ी महत्वपूर्ण था। वे पुराने नियम के मास्टर थे। उन्हें चर्च का इतिहास बहुत पसंद था।

लेकिन उन्होंने कहा कि मूसा तब वादा किए गए देशों में नहीं गया था, लेकिन बाद में वह बहुत बेहतर संगति में वहाँ पहुँच गया। वह एलिय्याह के बारे में नहीं बल्कि रूपांतरण पर्वत पर यीशु के बारे में बात कर रहा था। वह आदमी बहुत मज़ेदार था।

मूसा लोगों और परमेश्वर के बीच तब तक खड़ा रहा जब तक कि एक महान मध्यस्थ, यीशु नहीं आया और उसने व्यवस्था की सभी आज्ञाओं को पूरा किया, मत्ती 5:17। मैं व्यवस्था को खत्म नहीं करता, मैं इसे पूरा करता हूँ। मैं इसे पूरा करता हूँ।

और रोमी कह सकते हैं, मसीह, रोमियों 10, शुरुआत। मसीह व्यवस्था का अंत है, अंतिम बिन्दु, हर उस व्यक्ति के लिए धार्मिकता के लिए व्यवस्था का लक्ष्य जो विश्वास करता है। मूसा मध्यस्थ था, गलातियों 3, 19, जिसके द्वारा व्यवस्था को स्थापित किया गया था।

मूसा द्वारा मध्यस्थता की गई वाचा 430 साल बाद आई। मूसा द्वारा मध्यस्थता की गई वाचा 430 साल बाद आई, अब्राहम द्वारा मध्यस्थता की गई वाचा और इस प्रकार इसे रद्द नहीं किया जाता है। गलातियों 3, 17, मूसा पुराने नियम की वाचा का एक महान मध्यस्थ था।

वह परमेश्वर के घराने में एक महान व्यक्ति था। इब्रानियों, मैं अध्याय को गलत नहीं करना चाहता। कोई मेरी जल्दी से मदद करे।

वैसे भी, इब्रानियों ने पहले ही कहा है कि मूसा परमेश्वर के घराने का पुत्र था। यीशु परमेश्वर के घराने का पुत्र है। और यह मसीह को परमेश्वर के महान व्यक्ति मूसा के मुकाबले परमेश्वर का स्थान देता है।

ऐसा लगता है कि ये आयतें मेरी बाइबल से निकाल दी गई हैं। मुझे यह समझ में नहीं आया, लेकिन मैं बाद में इसे थोड़ा और स्पष्ट करने की कोशिश करूँगा। मूसा पुराने नियम की वाचा का एक महान मध्यस्थ था।

लेकिन यद्यपि वहाँ था, वहाँ यह है, लेकिन यद्यपि मुझे अगला वाक्य पढ़ना चाहिए, यद्यपि अब्राहमिक मोज़ेक नई वाचाओं के बीच निरंतरता है, मसीह परमेश्वर के घर पर एक पुत्र के रूप में, इब्रानियों 3, क्षमा करें, मूसा से कहीं अधिक श्रेष्ठ है, जो परमेश्वर के सभी घर में एक सेवक है। इब्रानियों 3:2 से 6. मैं अध्याय 4 और 5 में देख रहा था। ओह। मसीह का कार्य, नई वाचा का मध्यस्थ और गारंटर, मूसा के साथ की गई वाचा को रद्द कर देता है, इसे अप्रचलित बना देता है।

इब्रानियों 7:18, 19. इब्रानियों 7:22. इब्रानियों 8:6 और 8:13.

वास्तव में, मसीह का छुटकारे का कार्य इतना महान है कि यह न केवल नई वाचा के विश्वासियों के लिए लाभदायक है, बल्कि जैसा कि हम पहले भी कई बार कह चुके हैं, पुराने नियम के संतों को भी छुटकारा दिलाता है। इब्रानियों 9:15. डेविड.

दाऊद पुराने नियम की वाचा का मध्यस्थ भी है। परमेश्वर ने उसके साथ इस्राएल राष्ट्र का राजा बनने की वाचा बाँधी। 2 शमूएल 7:12 से 16, पूरे पुराने नियम में सबसे महत्वपूर्ण वचनों में से कुछ हैं।

उदाहरण के लिए, यह हमें यीशु को परमेश्वर के पुत्र के रूप में समझने में मदद करता है। 2 शमूएल 7:12 से 16। जब तेरे दिन पूरे हो जाएं, हे दाऊद, और तू अपने पुरखाओं के संग सो जा, तब मैं तेरे वंश को जो तेरी सन्तान से उत्पन्न होगा, तेरे पीछे खड़ा करके उसके राज्य को स्थिर करूँगा।

मैं उसके राज्य की गद्दी को हमेशा के लिए स्थापित करूँगा। मैं उसका पिता बनूँगा और वह मेरा पुत्र होगा। विभाजित राज्य में इस्राएल का राजा यहूदा होगा, जो परमेश्वर का पुत्र है जिसके लिए परमेश्वर एक विशेष तरीके से पिता है।

जब वह अधर्म करेगा, तब मैं उसे मनुष्यों की छड़ी से, और मनुष्यों के समान कोड़ों से दण्ड दूँगा। परन्तु मेरी करूणा उस पर से न हटेगी, जैसे कि मैं ने शाऊल पर से हटा ली, जिसे मैं ने तेरे साम्हने से दूर कर दिया। और तेरा घराना और तेरा राज्य मेरे साम्हने सदैव दृढ़ बना रहेगा।

नातान ने दाऊद से यही कहा। दाऊद ने परमेश्वर के लिए एक घर, एक मंदिर बनाने की पेशकश की। नहीं, प्रभु कहते हैं, मैं तुम्हें बनाने जा रहा हूँ।

आप युद्ध के आदमी हैं। यह आपके बेटे को करना है। मैं आपके लिए एक घर, एक राजवंश, दाऊद का घर बनाने जा रहा हूँ।

परमेश्वर ने दाऊद से वादा किया कि उसका वंश हमेशा परमेश्वर के राज्य पर राज करेगा। ये शब्द मरियम ने सुने थे। ये शब्द शिमोन ने मंदिर में भविष्यवाणी की थी, और मरियम ने अपनी खूबसूरत मैग्निफिकेट में इस आशय के शब्द कहे हैं।

अंतिम दाऊदवंशीय राजा परमेश्वर का पुत्र है क्योंकि वह स्वयं परमेश्वर का पुत्र है। मसीहा यीशु दाऊद का वंशज था, लेकिन वह दाऊद का प्रभु भी था। मत्ती 22, 41 से 46, दाऊद नेताओं को चकित कर देता है।

क्या मसीहा दाऊद का पुत्र है? ज़रूर है। वह उसका वंशज है, और यीशु इससे इनकार नहीं करते। लेकिन वे कहते हैं, इस दाऊद ने भजन 110 में उसे प्रभु क्यों नहीं कहा? जब वे कहते हैं, प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा, मेरे दाहिने हाथ बैठो, ताकि मैं तुम्हारे शत्रुओं को तुम्हारे पैरों के नीचे की चौकी बना दूँ।

दाऊद उसे प्रभु कहता है। वह उसका पुत्र कैसे है? फिर, उन्होंने सवाल पूछना बंद कर दिया। उन्होंने उसे ठोकर मारने की कोशिश करना बंद कर दिया क्योंकि वह उसे उनके ही खेल में हरा सकता था।

वह उसे कैसे हरा सकता था? इसका मतलब यह है कि मसीहा दाऊद का बेटा है। वह एक इंसान है, लेकिन वह दिव्य भी है। वह प्रभु है जो दाऊद का बेटा, एक इंसान बन गया।

यीशु महान दाऊद हैं, वाचा के मध्यस्थ जो अपने लोगों को उनके शत्रुओं से विश्राम प्रदान करते हैं और अपने लोगों को परमेश्वर के अपने पुत्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं। हमारे अगले व्याख्यान में, मैं मसीह के साथ नए नियम की एकता के लिए पुराने नियम की नींव के हिस्से के रूप में वाचा में शामिल होने की इस धारणा को समाप्त करूँगा, परमेश्वर के पीड़ित सेवक के बारे में बात करके, जिसका प्रायश्चित्त उन कई चीजों को प्राप्त करता है जिनके बारे में हम बात कर रहे हैं।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा पवित्र आत्मा और मसीह के साथ एकता पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 6 है, मसीह के साथ एकता के लिए आधार, पुराना नियम, निगमन, मध्यस्थ।